

## सृष्टि और प्रकृति के रूपक

ये अक्सर ईश्वर की शक्ति, मानवीय कमजोरी या आध्यात्मिक प्रक्रियाओं का प्रतीक होते हैं।

रूपक/प्रतीक	प्रतिनिधित्व करता है	बाइबल के भीतर के संबंध	बाइबल संदर्भ
इंद्रधनुष	न्याय के बाद परमेश्वर की वाचा और दया का वादा	जलप्रलय (न्याय), सिंहासन (ईश्वर की महिमा), नई सृष्टि (नवीनीकरण) से संबंधित लिंक	उत्पत्ति 9:13; यहजेकेल 1:28; प्रकाशितवाक्य 4:3
सीढ़ी/सीढ़ी	ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग; स्वर्ग और पृथ्वी के बीच मध्यस्थता	यीशु (मध्यस्थ के रूप में पूर्ति), स्वर्गदूत (संदेशवाहक), स्वर्ग (गंतव्य) से संबंध	उत्पत्ति 28:11-13; यूहन्ना 1:51
बादल और आग का स्तंभ	दैवीय मार्गदर्शन और सुरक्षा	निर्गमन (मुक्ति), पवित्र आत्मा (उपस्थिति), प्रकाश (सत्य) से संबंधित लिंक	निर्गमन 13:21
घास	मानवीय कमजोरी और जीवन की क्षणभंगुरता	फूलों (लुप्त होती सुंदरता), धूल (नश्वरता), ईश्वर के वचन (स्थायी विरोधाभास) से संबंधित लिंक	भजन संहिता 90:5-6; 1 पतरस 1:24; यशायाह 40:6-8
मिट्टी और कुम्हार	ईश्वर द्वारा गढ़ी गई मानवता; सृष्टि पर ईश्वरीय संप्रभुता	पिता (सृष्टिकर्ता के रूप में ईश्वर), नई सृष्टि (रूपांतरण), पात्र (उद्देश्य) से संबंधित लिंक	यशायाह 64:8; यिर्मयाह 18:1-6; रोमियों 9:20-21
सरसों के बीज	छोटी शुरुआत से महान विकास होता है; परमेश्वर का राज्य	आस्था (विकास), वृक्ष (परिपक्वता), दृष्टांत (राज्य के उदाहरण) से संबंधित लिंक	मत्ती 13:31-32; मरकुस 4:30-32; लूका 13:18-19
बीज (सामान्य)	आध्यात्मिक जीवन का पुनरुत्पादन; परमेश्वर के वचन का रोपण	बोने वाले (उपदेश), फसल (न्याय/फल प्राप्ति), अविनाशी बीज (अनंत जीवन) से संबंधित लिंक	1 पतरस 1:23; मत्ती 13:3-9; लूका 8:4-8
बेल और शाखाएँ	मसीह के साथ एकात्मता; फलदायकता के लिए उन पर निर्भरता	फल (अच्छे कर्म), छंटाई (अनुशासन), और दृढ़ रहना (विश्वास) से संबंधित लिंक	यूहन्ना 15:1-5
धरती का नमक	विश्वासियों का दुनिया में संरक्षण और स्वाद प्रदान करने वाला प्रभाव	अनुबंध (स्थायित्व), न्याय (खो जाने पर), प्रकाश (युग्मित भूमिका) से संबंधित लिंक	मत्ती 5:13
जीवन का फव्वारा	ज्ञान, पोषण या शाश्वत जीवन का स्रोत	जल (आध्यात्मिक ताजगी), परमेश्वर का वचन (शिक्षा), पवित्र आत्मा (प्रवाह) से संबंधित लिंक	नीतिवचन 13:14; यूहन्ना 4:14; प्रकाशितवाक्य 21:6
बाल्टी में एक बूंद	ईश्वर के समक्ष राष्ट्रों या प्रयासों का महत्वहीन होना	तराजू (न्याय), धूल (कमजोरी), राष्ट्र (ईश्वर के शासन के अधीन) से संबंधित लिंक	यशायाह 40:15

## निर्णय और संघर्ष के रूपक

इनमें दैवीय न्याय, आध्यात्मिक युद्ध या परिणामों पर जोर दिया गया है।

रूपक/प्रतीक	प्रतिनिधित्व करता है	बाइबल के भीतर के संबंध	बाइबल संदर्भ
आग और गंधक	ईश्वरीय न्याय और विनाश	सोडोम/गोमोराह (उदाहरण), आग की झील (शाश्वत दंड), शुद्धिकरण (शोधन) से संबंधित लिंक	उत्पत्ति 19:24; प्रकाशितवाक्य 20:10; भजन संहिता 11:6
तीर	ईश्वर के दंड या कष्ट	धनुष (दिव्य शक्ति), तरकश (संचित क्रोध), शत्रु (लक्षित) के लिंक	भजन संहिता 38:2; भजन संहिता 120:4; व्यवस्थाविवरण 32:23

रूपक/प्रतीक	प्रतिनिधित्व करता है	बाइबल के भीतर के संबंध	बाइबल संदर्भ
प्रभुत्व	ईश्वर का शासन और अधिकार	राजा (ईसा मसीह का शासनकाल), लोहे की छड़ी (न्याय), सिंहासन (महिमा) से संबंधित लिंक	भजन संहिता 2:9; प्रकाशितवाक्य 2:27; प्रकाशितवाक्य 19:15
हथौड़ा	परमेश्वर का वचन प्रतिरोध को चकनाचूर कर देता है	रॉक (कठोर हृदय), फायर (परिवहन करने वाले जोड़े), जजमेंट (तोड़ने वाला) से लिंक	यिर्मयाह 23:29
दो - धारी तलवार	परमेश्वर के वचन की भेदक, विवेकपूर्ण शक्ति	न्याय (विभाजन), मसीह का मुख (अधिकार), कवच (आध्यात्मिक युद्ध) से संबंधित लिंक	इब्रानियों 4:12; प्रकाशितवाक्य 1:16; इफिसियों 6:17
टिड्डियों	महामारी या ईश्वर का न्याय	मिस्र के प्लेग (मुक्ति), सर्वनाश (अंत काल), सेना (आक्रमण) के लिंक	निर्गमन 10:12; योएल 1:4; प्रकाशितवाक्य 9:3
जानवरों	सांसारिक राज्य या ईश्वर-विरोधी शक्तियाँ	ड्रैगन (शैतान), सींग (अधिकार), अंत समय (ईश्वर का विरोध) से संबंधित लिंक	दानियल 7:2-7; दानियल 8:20-22; प्रकाशितवाक्य 13:1-2
मिट्टी के पैर	छिपी हुई खामियां या सत्ता में अस्थिरता	प्रतिमा (साम्राज्य), पतन (अंतर-क्रम), मूर्तियाँ (झूठी शक्ति) के लिंक	दानियल 2:31-33
दीवार पर लिखा हुआ	आसन्न विनाश या दैवीय चेतावनी	न्याय (तौलने पर अपर्याप्त पाया जाना), हाथ (ईश्वर का हस्तक्षेप), दावत (झूठी सुरक्षा) से संबंधित लिंक	दानियल 5:5-6
बलि का बकरा	पापों को दूर करना; प्रतिस्थापन	प्रायश्चित (प्रायश्चित का दिन), जंगल (हटाना), यीशु (पूर्ति) से संबंधित लिंक	लैव्यव्यवस्था 16:20-22
फसल काटने वाले	न्याय का दिन या कर्मों का फल भोगना	गेहूं/जंगली घास (अलगाव), हंसिया (एकत्रीकरण), अंत समय (अंतिमता) से संबंधित लिंक	योएल 3:12-13; मत्ती 13:29-30; प्रकाशितवाक्य 14:15

#### आध्यात्मिक मार्गदर्शन और पहचान संबंधी रूपक

ये बातें ईश्वर के चरित्र, विश्वासी की भूमिका या दिव्य रहस्योद्घाटन से संबंधित हैं।

रूपक/प्रतीक	प्रतिनिधित्व करता है	बाइबल के भीतर के संबंध	बाइबल संदर्भ
पथ के लिए लैंप/रोशनी	अंधकार में मार्गदर्शन के रूप में ईश्वर का वचन	पैरों (दिशा), शब्द (प्रकाश), मोक्ष (जीवन का मार्ग) से संबंधित लिंक	भजन संहिता 119:105
आईना	ईश्वर का वचन सच्चे स्वरूप को प्रकट करता है	आत्म-परीक्षण (आत्मनिरीक्षण), परिवर्तन (नवीनीकरण), कानून (मानक) से संबंधित लिंक	याकूब 1:23
दूध	परमेश्वर के वचन की मूलभूत सच्चाई का पोषण करना	विकास (आध्यात्मिक परिपक्वता), शिशु (नए विश्वासी), मांस (उन्नत शिक्षा) से संबंधित लिंक	1 पतरस 2:2; इब्रानियों 5:12-13
अल्फा और ओमेगा	ईश्वर/यीशु आदि और अंत के रूप में; पूर्णता	प्रथम/अंतिम (शाश्वतता), सृष्टि (उत्पत्ति), अंत समय (पूर्ति) के लिंक	प्रकाशितवाक्य 1:8; प्रकाशितवाक्य 21:6; प्रकाशितवाक्य 22:13
यहूदा का शेर	यीशु की राजसी शक्ति और विजय	यहूदा जनजाति (वंश), मेमना (बलिदान में अंतर), विजेता (विजय) से संबंधित लिंक	उत्पत्ति 49:9; प्रकाशितवाक्य 5:5
जेसी की जड़	यीशु वंशज और जीवन का स्रोत हैं।	शाखा (विकास), डेविड (वंश), बैनर (एकत्रीकरण बिंदु) के लिंक	यशायाह 11:10; रोमियों 15:12

रूपक/प्रतीक	प्रतिनिधित्व करता है	बाइबल के भीतर के संबंध	बाइबल संदर्भ
उद्धारकर्ता	यीशु रक्षक और मार्गदर्शक के रूप में	भेड़ों (अनुयायियों), द्वार (सुरक्षा का प्रवेश द्वार), बलिदान (जीवन का बलिदान) से संबंधित लिंक	भजन संहिता 23:1; यूहन्ना 10:11; यहजकेल 34:15-16
मुर्गी और चूजे	ईश्वर की सुरक्षात्मक देखभाल	यरूशलेम से संबंध (सभा), पंख (आश्रय), मातृ प्रेम (करुणा)	मत्ती 23:37; भजन संहिता 91:4
अनमोल मोती	परमेश्वर का राज्य एक अनमोल खजाना है।	व्यापारी (खोजकर्ता), सब कुछ बेचना (पूर्ण प्रतिबद्धता), छिपा हुआ खजाना (खोज) के लिंक	मत्ती 13:45-46
छिपा खजाना	इस राज्य का महत्व इतना है कि इसके लिए बलिदान देना भी उचित है।	क्षेत्र (विश्व), आनंद (खोज), सब कुछ बेचना (प्रतिबद्धता) से संबंधित लिंक	मत्ती 13:44
गेहूं और जंगली घास	न्याय के समय धर्मी और दुष्टों का पृथक्करण	फील्ड (विश्व), हार्वेस्ट (अंत काल), बर्निंग (दंड) के लिंक	मत्ती 13:24-30
सूखी हड्डियां	आध्यात्मिक मृत्यु और पुनरुत्थान	घाटी (वीरानगी), सांस (आत्मा का जीवन), पुनरुत्थान (पुनर्स्थापन) से संबंधित लिंक	यहजकेल 37:1-11
परिशुद्ध करण	वाचा का चिन्ह; पाप स्वभाव का आध्यात्मिक निवारण (हृदय का खतना)	अब्राहमिक वाचा (भौतिक चिन्ह), नई वाचा (आध्यात्मिक पूर्ति), बपतिस्मा (शुद्धिकरण के लिए नए नियम का समानांतर) से संबंधित लिंक	उत्पत्ति 17:10-14; व्यवस्थाविवरण 10:16; रोमियों 2:28-29; कुलुस्सियों 2:11-12

अन्य रूपक (क्रियाएँ, अवस्थाएँ और अन्य)

इनमें वे प्रतीकात्मक क्रियाएं या स्थितियां शामिल हैं जो इस दायरे में नहीं आतीं।

रूपक/प्रतीक	प्रतिनिधित्व करता है	बाइबल के भीतर के संबंध	बाइबल संदर्भ
निषिद्ध फल	प्रलोभन और अवज्ञा	ज्ञान के वृक्ष (विकल्प), पतन (परिणाम), पाप (प्रवेश) के लिंक	उत्पत्ति 2:16-17; उत्पत्ति 3:6
स्वर्ण बछड़ा	मूर्तिपूजा और झूठी उपासना	निर्गमन (विद्रोह), हारून (नेतृत्व की विफलता), न्याय (विनाश) से संबंधित लिंक	निर्गमन 32:4
मुख्य पत्थर/आधारशिला पत्थर	ईसा मसीह की श्रेष्ठता और आधार	बिल्डर्स (अस्वीकृति), रॉक (स्थिरता), स्टम्बलिंग स्टोन (अपराध) से लिंक	भजन संहिता 118:22; मत्ती 21:42; 1 पतरस 2:6-7
सिग्नेट रिंग	अधिकार और मुहर	राजा (प्रतिनिधिमंडल), दत्तक ग्रहण (पुत्रत्व), पवित्र आत्मा (मुहर) से संबंध	एस्तेर 8:10; हागै 2:23; इफिसियों 1:13
सितारे और लैंपस्टैंड	ईश्वर के सेवक या चर्च	देवदूतों (संदेशवाहकों), प्रकाश (साक्ष्य) और सात (पूर्णता) से संबंध	प्रकाशितवाक्य 1:20
बपतिस्मा	मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के साथ एकात्मता; उद्धार	जल (शुद्धिकरण), दफन (पापों से मुक्ति), नया जीवन (पुनरुत्थान) से संबंधित बातें	रोमियों 6:3-4; 1 पतरस 3:21
प्रभु भोज	मसीह के साथ संवाद; बलिदान का स्मरण	रोटी/वाइन (शरीर/रक्त), वाचा (नया), एकता (एक शरीर) के लिंक	मत्ती 26:26-29; 1 कुरिन्थियों 11:23-26
अभिषेक (क्रिया)	आत्मा द्वारा सशक्तिकरण	तेल (प्रतीक), राजाओं/पुजारियों (बुलावा), उपचार (पुनर्स्थापन) से संबंधित लिंक	1 शमूएल 16:13; लूका 4:18

रूपक/प्रतीक	प्रतिनिधित्व करता है	बाइबल के भीतर के संबंध	बाइबल संदर्भ
बोरी और राख	पश्चाताप और शोक	धूल (विनम्रता), उपवास (शोक), न्याय (टालना) से संबंध	योना 3:5-6; मत्ती 11:21
सफेद बाल	ज्ञान और पवित्रता	प्राचीन काल के ईश्वर (भगवान), मुकुट (महिमा), युग (सम्मान) से संबंधित लिंक	दानियल 7:9; प्रकाशितवाक्य 1:14